

सहज ग्रामीण मिशन

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी सहज योग संस्थापिका

सहज कृषि पर श्री माताजी के उद्धरण



राहुरी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया उत्कृष्ट कार्य - 2 फीट जितना बड़ा सूरजमुखी सहज योग चैतन्य स्पंदनों (सहज कृषि विधियों) के माध्यम से उत्पन्न हुआ था। बताया गया कि फूल के भारी होने के कारण उसे उठाना भी मुश्किल हो गया था! यह भी बताया गया कि गेहूं और सूरजमुखी का उत्पादन बढ़ा - लगभग दोगुना!

सीडी पब्लिक प्रोग्राम लखनऊ (यूपी) 1986

नवरात्र के दौरान (नौ दिनों में देवी की उनके नौ रूपों में पूजा), शाकंभरी देवी ने भक्तों की शक्तियों को, कृषि उत्पादन में वृद्धि के रूप में दिया। उनका प्रभाव सहज कृषि में, बड़े आकार की सब्जियों के रूप में (बैंगन, टमाटर, खीरा इत्यादि) दिखाई देता है।

गुड़ी पड़वा पूजा, 5 अप्रैल 2000, नोएडा, भारत

सहजयोगियों का कर्तव्य है कि वे पेड़ लगाएं और बागों का निर्माण करें। सहजयोगी अपने हाथों से दैवीय स्पंदन (चैतन्य) फैला सकते हैं। जब वे (सहयोगी) खेतों की सिंचाई करते हैं - तब अधिक समृद्धि, हरियाली और कृषि उत्पादन में वृद्धि आती है।

संक्रांति और सूर्यदेव का महत्व, दिनांक 14.12.1996

सहज योग में आप साधारण बीज लेते हैं और उन्हें चैतन्यित करते हैं। जब आप उन्हें चैतन्यित करते हैं, तब आपको ऐसे बीज मिलने लगते हैं जो संकर से भी बेहतर होते हैं। मैंने सूरजमुखी के साथ एक प्रयोग करने की कोशिश की - इसलिए मैंने लगभग 2 किलो वजन का सूरजमुखी विकसित किया, लगभग एक फुट व्यास और इतने बड़े, बड़े बीज, कि आप उन्हें सूरजमुखी के बीज नहीं बता सकते! सहज योगी सामूहिक इसे देखकर बहुत अचंभित और उन्हें लगा कि ऐसे बीज उनके सभी तेल समस्याओं का समाधान करेगा।

श्री गणेश पूजा, मैड्रिड, स्पेन, 6.11.87

जो लोग संत प्रवृत्ति के हैं तो वे हमेशा धरती माता द्वारा संरक्षित रहेंगे। वह (धरती माँ) हमेशा उन्हें वह देने की कोशिश करेगी जो वे चाहते हैं। आप ब्योरे से देख सकते हैं - कि मान लीजिए अब हमारे यहां के कैबेला में गुलाब इतने बड़े आकार के हैं, इतने बड़े आकार के गुलाब - आपको पूरी दुनिया में इतने बड़े आकार में नहीं मिलेंगे लेकिन हमारे यहां ऐसे हैं, बड़े वाले। प्रतिष्ठान में हमारे पास इतने बड़े सूरजमुखी के फूल थे - जिसे उठाना एक आदमी के बस के बाहर थी! अब यह सब कुछ खास जगहों पर कैसे हो रहा है? यह धरती माता है जो जानती है कि यहाँ कौन रहता है, किनके पद उन चल रहे हैं - क्योंकि धरती माँ दैवीय स्पंदन (चैतन्य) को समझती है।

श्री आदि शक्ति पूजा, कैबेला, इटली, 25/5/97

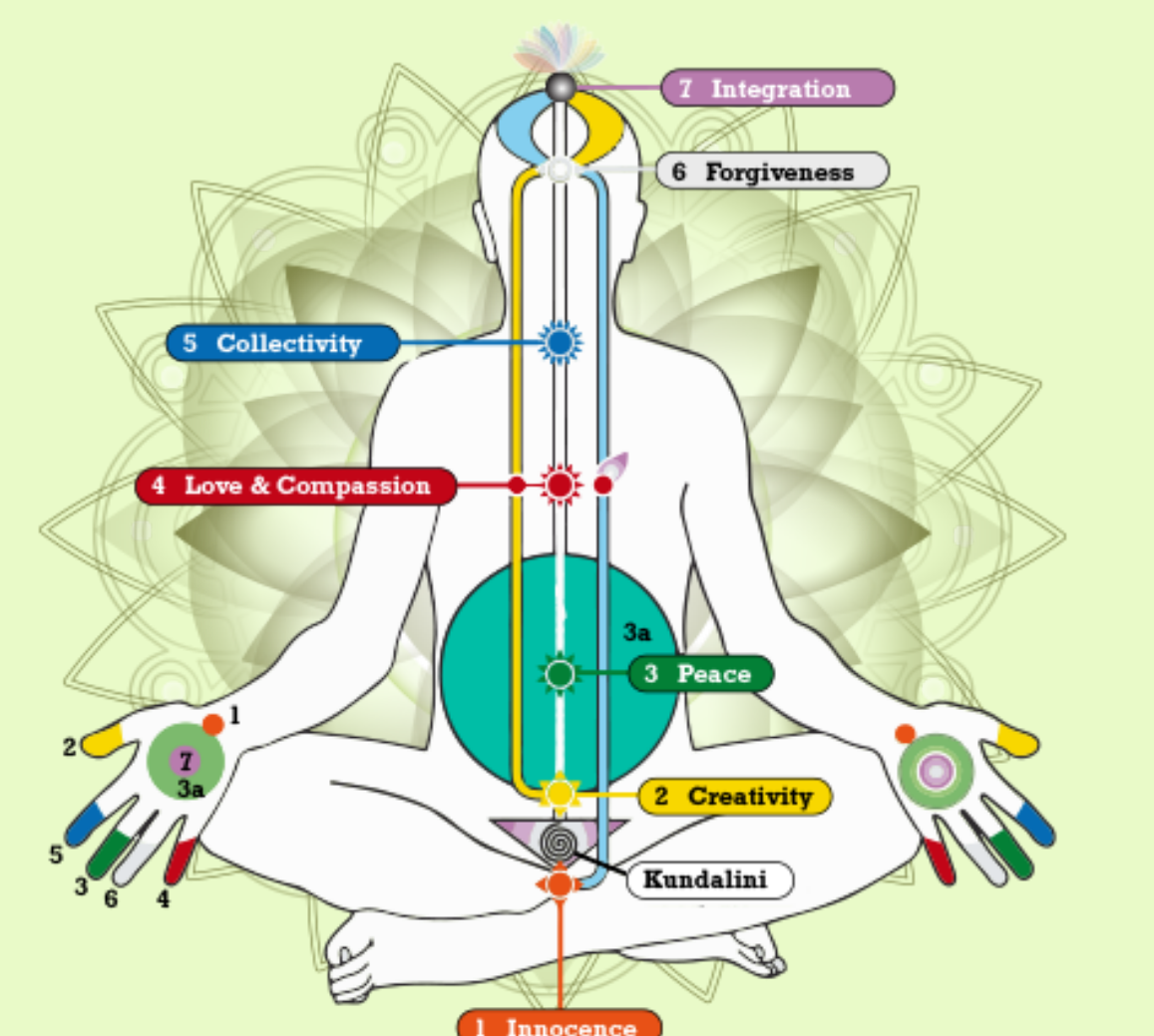
सहज योग को शहरों की बजाय गांवों में अधिक फैलाना होगा। शहरों में अपने आप फैल जाएगा, सहज योग को गांवों में फैलाना चाहिए ताकि किसानों की समस्याओं और दुखों का समाधान हो सके। हम भी ग्रामीण क्षेत्रों में सहज योग फैलाकर क्रांति ला सकते हैं।

पुण्य, मूल्य प्रणाली गण (पुणे) 1988



सहज ग्रामीण मिशन

www.sahajkrishi.in



सहज कृषि अनुसंधान कार्य

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
डॉ. हमीद माइलिनी वियना (ऑस्ट्रिया) यूरोप



पौधों के बढ़वार अनुपात सुरजमुखी में 75-80 प्रतिशत में बढ़कर 95-100 प्रतिशत जिसमें सुरजमुखी पैदावार 20-25 प्रतिशत बढ़ी

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ पुणे

- औसत पौधे के बढ़वार में वृद्धि 0 - 42.9 प्रतिशत
- अंकुरण क्षमता में वृद्धि 0 - 20 प्रतिशत
- उत्पादन क्वालिटी में सुधार 4 - 80 प्रतिशत
- फसल पैदावार में वृद्धि 14.7 - 50 प्रतिशत
- पक्षियों के वजन में सुधार
- अण्डे देने की क्षमता में सुधार



सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
सहज योग केंद्र जयपुर
(जी. डी. पारीक संयुक्त निर्देशक कृषि राजस्थान सरकार)



गेहूं की पैदावार 20-25 प्रतिशत बढ़ी (2 वर्ष आधार पर)

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
केंद्रीय शुष्क जोन अनुसंधान केंद्र जोधपुर (राजस्थान)



मूंग की पैदावार 30 प्रतिशत बढ़वार

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
सरसों अनुसंधान केंद्र भरतपुर (राजस्थान)



सरसों की पैदावार 12 प्रतिशत बढ़ी

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
फसल अनुसंधान केंद्र घाघरा घाट जिला बहराइच,
नरेंद्र देव विश्वविद्यालय, फैजाबाद यु. पी.

- धान की पैदावार 29 प्रतिशत बढ़ी
- गेहूं की पैदावार 28 प्रतिशत बढ़ी
- पपीता 1.5 गुना बढ़ी चमकदार एवं बीमारी रहित



सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
डॉ. हमीद माइलिनी वियना (ऑस्ट्रिया) यूरोप



पशुओं के वजन में 15 प्रतिशत बढ़ोत्तरी

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी उदयपुर



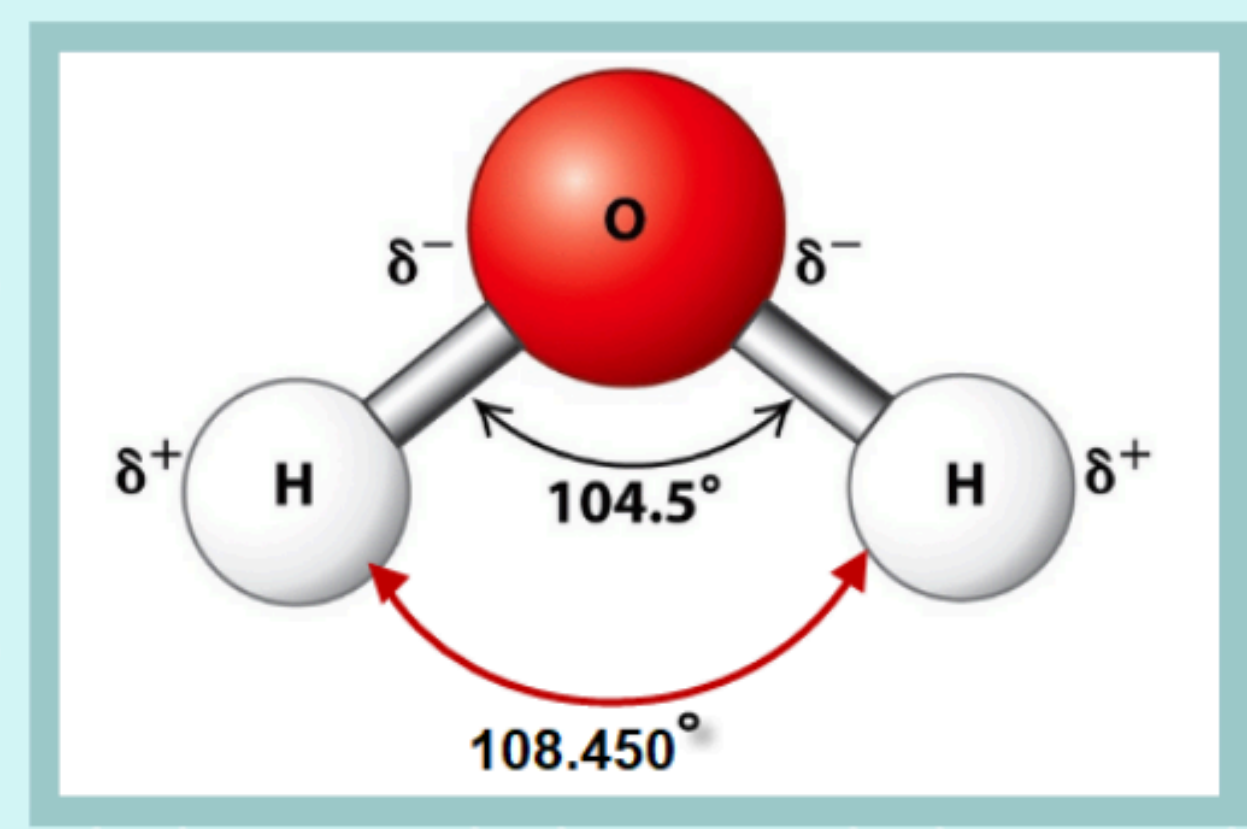
मूंगफली की पैदावार 73 प्रतिशत बढ़ी

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
केंद्रीय शुष्कउद्यानिकी संस्थान बीकानेर (राजस्थान)



जई चारा का उत्पादन 20.61 प्रतिशत तक बढ़ा

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
डॉ. हमीद माइलिनी वियना (ऑस्ट्रिया) यूरोप



पानी के molecular संरचना में परिवर्तन - 104.5° से बढ़कर 108.45°, पानी की घुलनशीलता में सुधार

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
कृषि विज्ञान केंद्र दहिगाओ अहमदनगर (महाराष्ट्र)



ग्वार की पैदावार 9.3 प्रतिशत बढ़ी

सहज कृषि पर हुए अनुसंधान कार्य
महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी उदयपुर



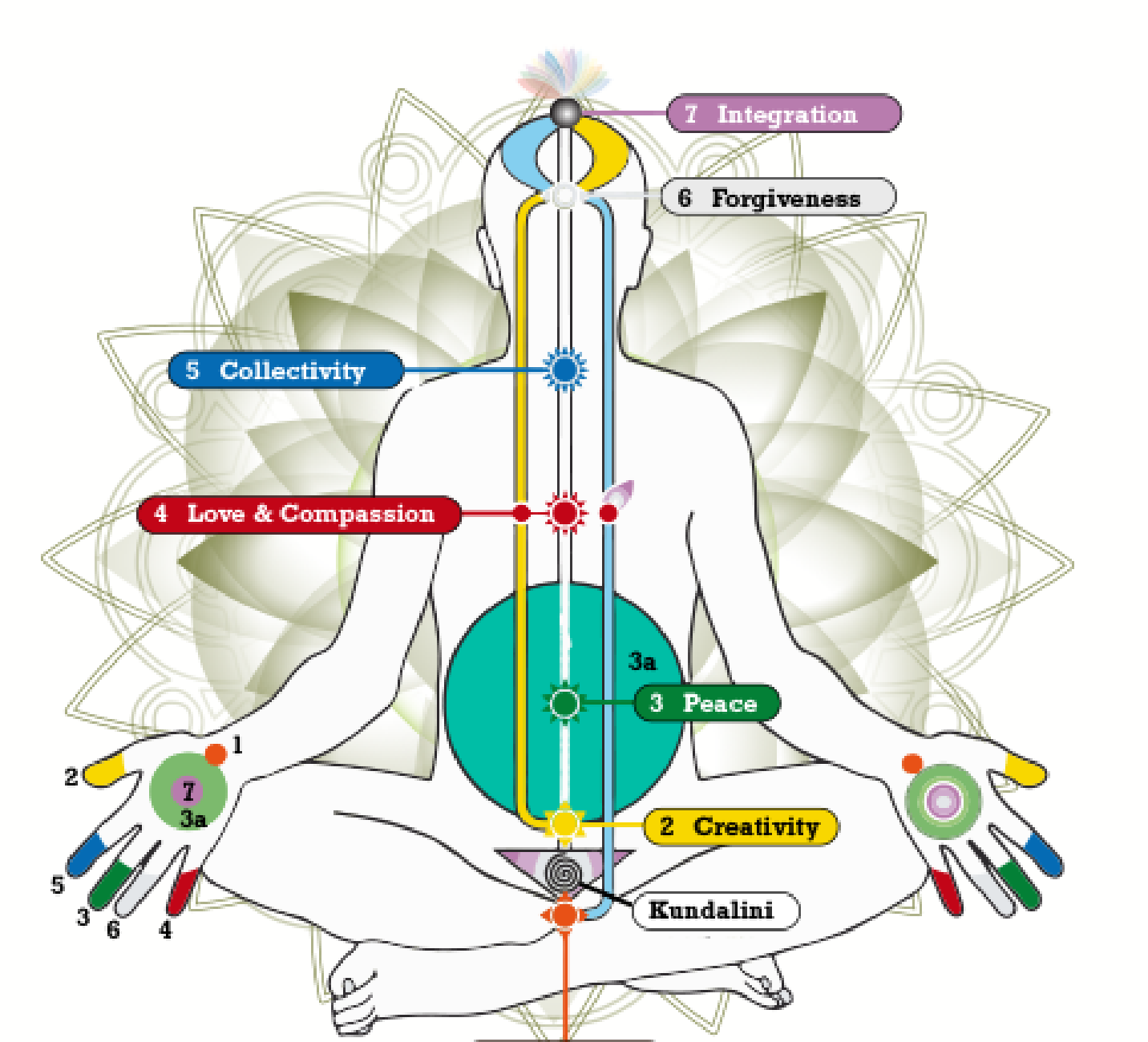
मूंगफली की पैदावार 73 प्रतिशत बढ़ी



सहज ग्रामीण मिशन

www.sahajkrishi.in

सहज योग - आज का महायोग





सफलता की कहानियां

सहज योगी कृषक



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री तरुण चौधरी गौतम
बुद्धनगर, गिरिराजपुर
ग्रेटर नॉएडा (राउटी)
मो. 8010006864



परिणाम -
लौकी 1-1.5 किलो वजन,
काशी फल 2.5 से 4 किलो तक,
नींबू बड़े साइज के दाग रहित



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री संदीप देशमुख
सांगली महाराष्ट्र कृषि भूषण
अवार्ड 2018 से सम्मानित
मो: 9665946189

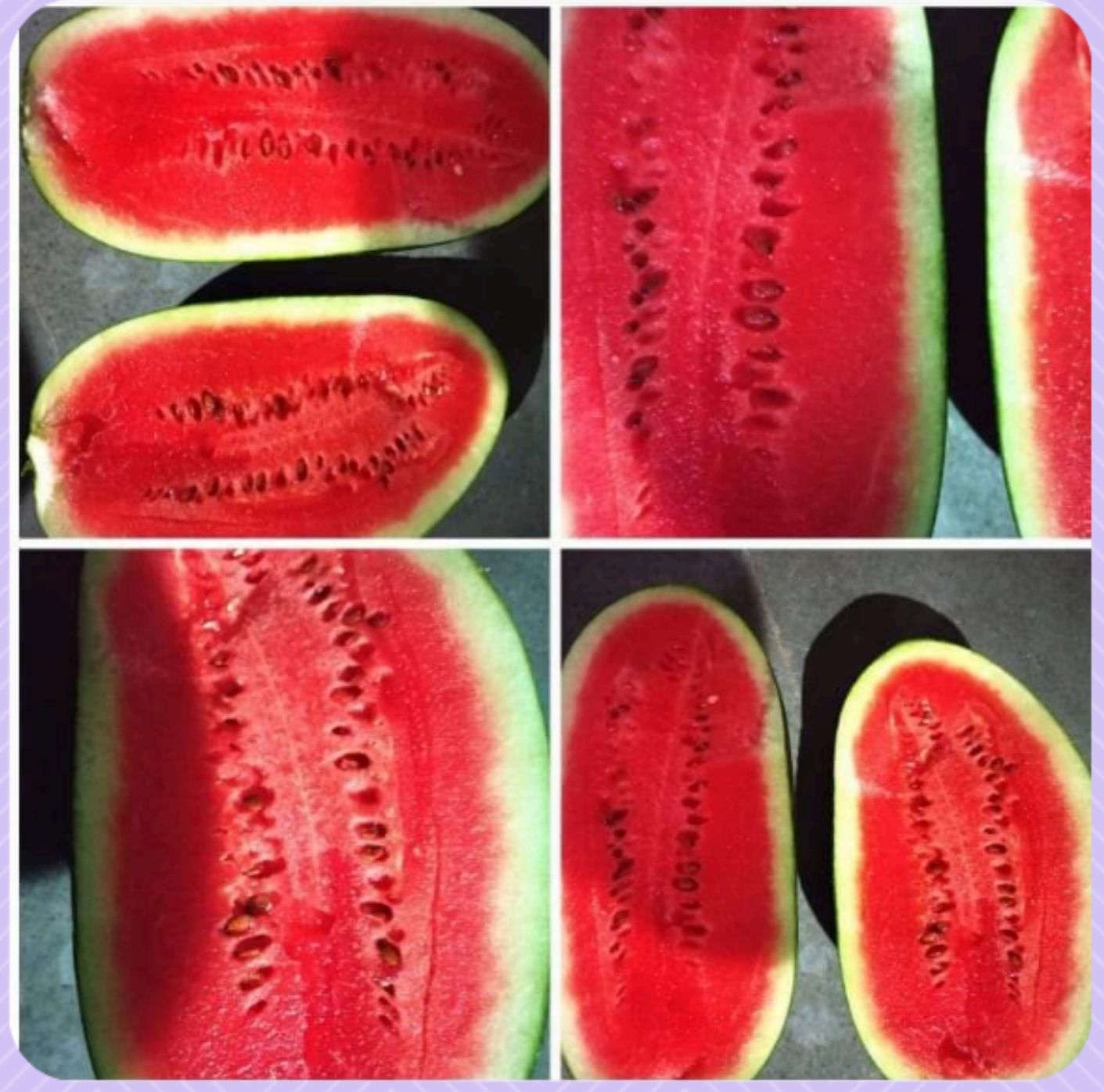


परिणाम -
सहज कृषि पद्धति से अनार का
दुगना मुनाका एक अनार वजन
800 ग्राम से 1 किलो तक



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री भरत कुमार पटेल
पालनपुर, गुजरात



परिणाम
खरबूजा उपज में वृद्धि



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री नरेश साहु छावड़ा
जिला बरन, राजस्थान
मो.9079238021



परिणाम
पत्तागोभी व लहसुन का
अधिक उत्पादन



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री सामलभाई पटेल
पालनपुर
मो.9429088269



परिणाम
सब्जियों का अधिक उत्पादन
(आलू, फूलगोभी, कुकबिटीज़),
5 किलो की फूलगोभी



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

सहज कृषक रिटा,
कप्तान राजेश कुमार साहु
मचलई जिला, बदायुँ उत्तरप्रदेश



परिणाम
गन्ने की अधिक पैदावार 70-80
टन प्रति एकड़
(लम्बाई तकरीबन 20 फीट
कम से कम 15 फीट पैदा हुआ)



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री पंजाब राव बिहाड़े
अकोला महाराष्ट्र
मो.9552273001



परिणाम-
अरहर व चना अच्छी पैदावार
(अरहर 10 क्विण्टल / एकड़ व
चना 14 क्विण्टल / एकड़)



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री सामलभाई पटेल
पालनपुर
मो.9429088269



परिणाम
सब्जियों का अधिक उत्पादन
(आलू, फूलगोभी, कुकबिटीज़),
5 किलो की फूलगोभी



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री टंका गौतम
चितवन नेपाल



परिणाम
पपीता का अधिक उत्पादन
बीमारी रहित



सहज कृषि पर कृषकों के फसलों के परिणाम

श्री राजेश माली
उज्जैन मध्यप्रदेश
मो. 9981508848



परिणाम
गुलाब आकर्षक, महकदार
बड़े साइज होने से मुनाफा
ज्यादा



सहज योग कृषि को मिला श्रेष्ठ पुरस्कार

श्री तरुण चौधरी गौतम
बुद्धनगर, गिरिराजपुर
ग्रेटर नॉएडा (राउटी)
मो. 8010006864



सहज योग कृषि को मिला श्रेष्ठ पुरस्कार

कुलपति कृषि विश्वविद्यालय
अजमेर, आईसीएआर नई
दिल्ली, कृषि उपज मंडी
उज्जैन, शेतकारी मेला
अहमदनगर, उड़ीसा और
महाराष्ट्र सरकार द्वारा सहज
कृषि को उत्कृष्टता
पुरस्कार।



सहज कृषि तकनीक

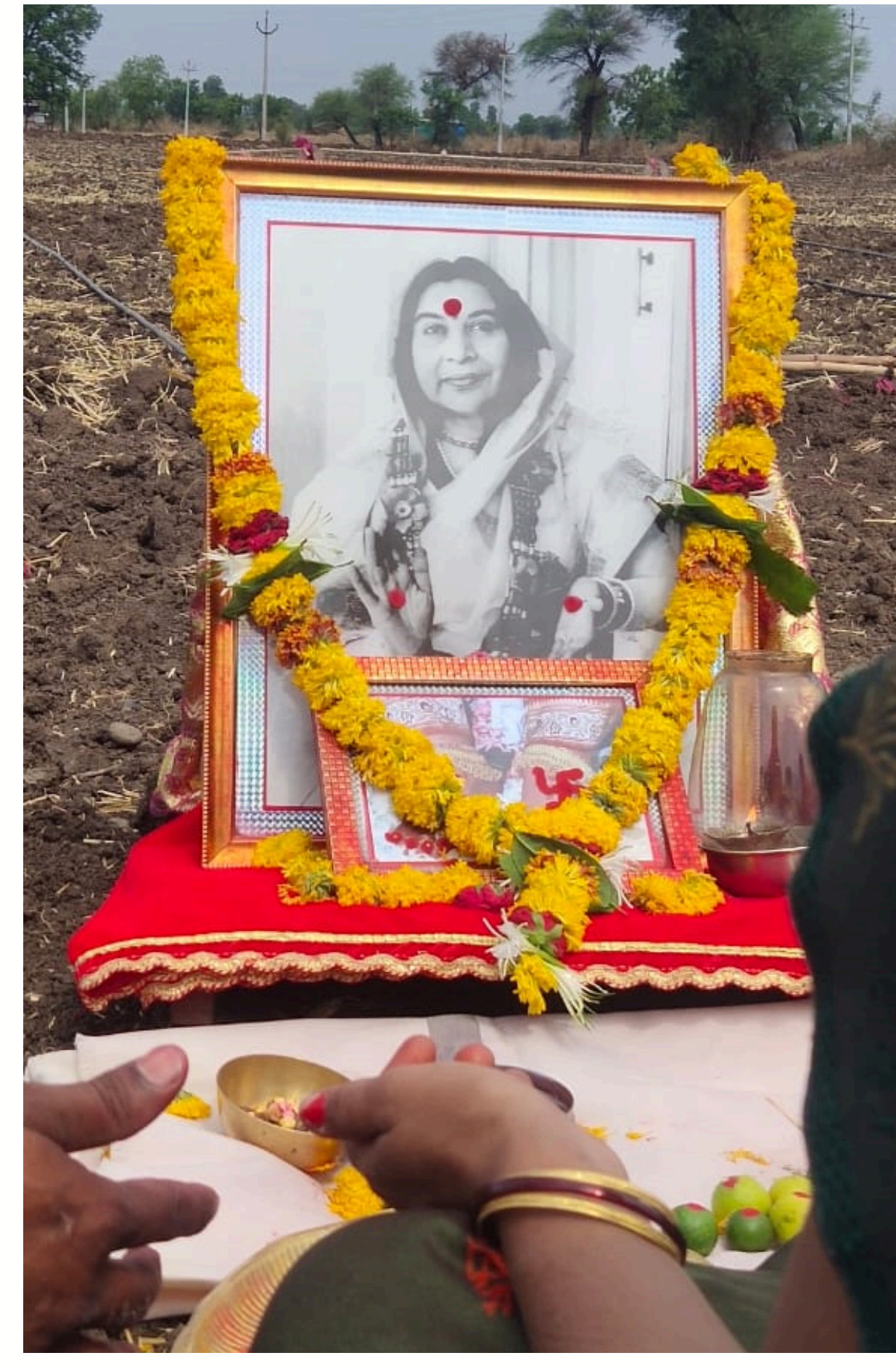
4 सरल कदम

1 सहज योग ध्यान सीखें

सहजयोगी किसानों को नियमित रूप से और मुफ्त में सहज योग ध्यान सिखाते हैं।



2 श्री माताजी के सम्मुख रात भर बीज, जल, नारियल चैतन्यित करें।



3 भूमि पूजन और हवन

चैतन्यित बीजों का रोपण और सिंचाई के लिए चैतन्यित जल का उपयोग करें।

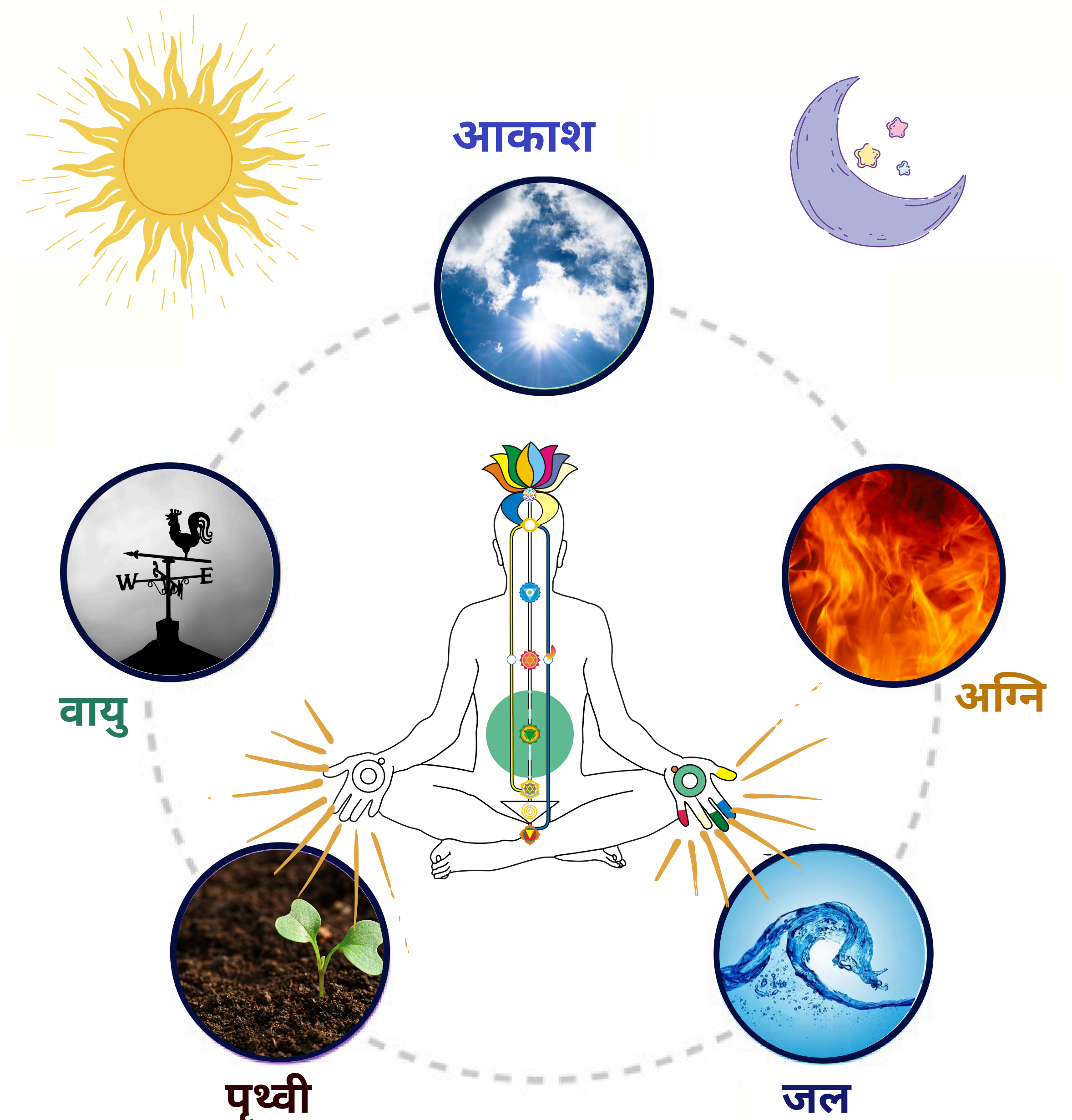


4 दैवीय स्पंदनों (चैतन्य) के साथ बढ़ती फसलों को नियमित रूप से पोषण दें।



सहज कृषि से फ़ायदे

- ज़्यादा खाद्यान्न उत्पादन
- पौधों की अच्छी बढ़वार / विकास
- प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा
- पशु आहार की गुणवत्ता में सुधार
- पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार
- रोग प्रतिरोधकता
- दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी



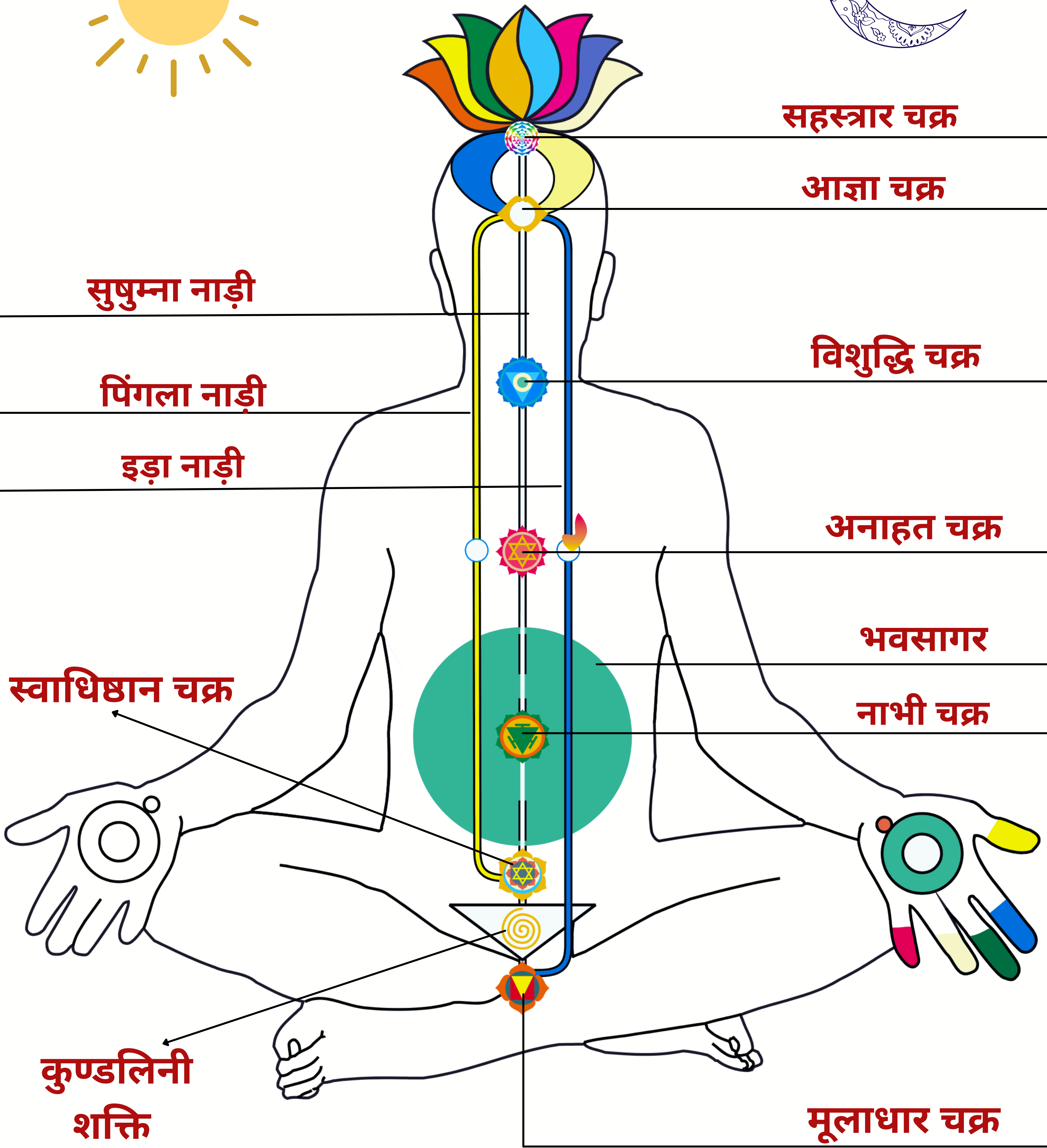
जानिए ईश्वरीय शक्ति से उत्पन्न चैतन्य लहरियों का कृषि, बागवानी, घरेलु उद्योग एवं पशुपालन पर प्रभाव

www.sahajkrishi.in

सहज योग - आज का महायोग



परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी



दैनिक जीवन में सहज योग करने से लाभ

- सभी धर्म के लोग सहजयोग द्वारा लाभ ले सकते हैं।
- स्वास्थ्य ठीक हो जाता है। हृदयविकार, डायबिटीस, ब्लडप्रेसर, वायु विकार, मानसिक तनाव, चिंता, अनिद्रा, भ्रम, दौरे पड़ना जैसे अनेक रोग ठीक हो जाते हैं। व्यसन से मुक्ति।
- पारिवारिक और सामाजिक संबंधों में तेजी से सुधार होता है।
- आर्थिक स्रोत उन्नत हो जाता है।
- सहजयोग में किसी भी प्रकार के कर्मकांड - व्रत-उपवास, जप-तप व शारीरिक व्यायाम की आवश्यकता नहीं है।
- सहजयोग का अभ्यास स्मरण शक्ति का विकास करता है।
- सुख शांति, समाधान व आनंद की प्राप्ति होती है। आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।
- कृषि क्षेत्र में आप सहज पद्धति से उत्पाद बढ़ा सकते हैं।